PROFIT ADVERTISERS (INDIA) Pvt. Ltd.

	PRESS CLIPPING				
Client	Agrovision [3rd Day]				
Publication	Lokmat Samachar				
Language	Hindi	Place	Nagpur	Date	14/11/16

मिथेनॉल के उपयोग से बच सकेंगे ₹676 करोड़

वी. के. सारस्वत का मत, कोयले से मिथेनॉल के निर्माण पर परिसंवाद

नागपुर । 13 नवंबर। लोस सेवा

आवश्यकतानुसार मिथेनॉल बनाकर उसका उपयोग किए जाने से ईंधन आयात पर होनेवाले खर्च में लगभग 676 करोड़ रुपए की बचत की जा सकती है.

नीति आयोग के सदस्य व डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन के पूर्व महानिदेशक डॉ. वी. के. सारस्वत ने यह जानकारी दी. रेशमबाग मैदान पर जारी एग्रो विजन प्रदर्शन के तहत रविवार को कोयले से मिथेनॉल के उत्पादन पर परिसंवाद आयोजित किया गया. इस मौके पर वे मुख्य वक्ता के बोल रहे थे. कार्यक्रम में केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय गृह राज्यमंत्री हंसराज अहीर और वेकोलि के अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक राजीव रंजन मिश्रा प्रमुख अतिथि के तौर पर उपस्थित थे.

मिथेनॉल से प्रदूषण का स्तर कमः सारस्वत

सारस्वत ने कहा कि चीन में कोयले से बड़े पैमाने पर मिथेनॉल बनाया जाता है. भारत में यह प्रयोग सफल बनाया जा सकता है. 95 मिथेनॉल और पांच फीसदी डीजल का उपयोग कर वाहन चलाए जा सकते हैं. जहाज और ट्रेनें चलाने के लिए भी. मिथेनाल का उपयोग किया जा सकता है. विदेशों में मिथेनॉल के उपयोग के लिए डीजल पर चलनेवाले जहाज के इंजन बदले जा रहे हैं.

मिथेनाल शुद्ध ईंधन है. मिथेनाल का उपयोग बढ़ने पर प्रदूषण का स्तर कम हो जाएगा.इसके लिए व्यापक योजना बनाने की जरूरत है. उन्होंने कहा देश की जनसंख्या दिन-ब-दिन बढ़ रही है. इसके साथ ही तेल और गैस का ईंधन के तौर पर उपयोग बढ़ रहा है. इस ईंधन का भंडार सीमित है इसलिए पर्यायी ईंधन को प्रोत्साहन देना आवश्यक है. मिथेनॉल इसका पर्याय साबित हो सकता है. देश में हाइड्रोजन पर काफी कार्य किया गया है. हाइड्रोजन के भंडारण का खर्च ज्यादा होने से उसके पर्याय के तौर पर उपयोग कर सकने की स्थिति के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है. उन्होंने कहा कि मिथेनाल में ऊर्जा कम है. डीजल में मिलाकर उसका उपयोग किया जा सकता है. आगामी दिनों केवल मिथेनॉल से चलनेवाले वाहन बनाने पड़ेंगे. मिथेनॉल बनाने का खर्च विभिन्न पद्धतियों से कम किया जा सकता है.

कोयले से मिथेनॉल बनाने में ही देश का भविष्यः गडकरी

केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि कोयले से मिथेनॉल बनाने में ही देश का भविष्य है. कोयला मंत्रालय इस योजना पर कार्य कर रहा है. गडकरी ने कहा कि वेकोलि बड़े पैमाने पर खाली जगह पड़ी हुई है. इस जमीन पर कोयले से मिथेनॉल, यूरिया आदि पदार्थ बनानेवाले उद्योग शुरू किए जाने चाहिए. कोयले से डेढ़ सौ से अधिक पेट्रोलियम पदार्थ बन सकते हैं. इससे देश की प्रगति होगी. इससे बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित होंगे. यूरिया पचास फीसद कम दाम पर उपलब्ध हो सकेगा. उन्होंने कहा कि यह तकनीक विदर्भ में लाई जाएगी.

कोयले का आयात दुर्भाग्यपूर्णः अहीर

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री हंसराज अहीर ने कहा कि भारत में बड़े पैमाने पर कोयला होते हुए भी हम उसका आयात करते हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है. उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद देश की बड़ी जरूरत है. कोयले से यूरिया बनाए जाने से बड़ी क्रांति होगी. देश संपन्न होगा. अहीर ने कहा कि अभी ईरान और अन्य देशों से गैस आयात की जाती है. यह आयात बंद होने के लिए देश के स्रोतों का उचित दोहन आवश्यक है. कोयले से अच्छे दर्जे का ईंधन तैयार किया जा सकता है. कोयले के भंडार के लिए अनेक जगहों का पता लगाया जा चुका है